



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 216]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 26, 1991/आश्विन 4, 1913

No. 216] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 26, 1991/ASVINA 4, 1913

इस भाग को भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं.-223 आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1991

विषय : — जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा विस्तारित 7.964 बिलियन के ऋण सं. आई डी पी-74, दिनांक 23-1-1991 के तहत क्वालिटी कंट्रोल आफ हेल्थ टेक्नोलोजीस प्रोजेक्ट आफ नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ बायोलोजिकल्स के लिए उपकरणों तथा सेवाओं के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आईपीसी/23 (83)/90-93 : — जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा विस्तारित 7.964 बिलियन के ऋण सं. आई डी पी-74, दिनांक 23-1-1991 के अन्तर्गत क्वालिटी कंट्रोल आफ हेल्थ टेक्नोलोजीस प्रोजेक्ट आफ नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ बायोलोजिकल्स के क्रियान्वयन के लिए उपकरणों तथा सेवाओं के आयात को शासित करने

वाली शर्तें, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

डी.आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 223-आईटीसी (पीएन)/90-93, दिनांक 26-9-91 का परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा विस्तारित 7.964 बिलियन के ऋण सं. आईडीपी 74, दिनांक 23-1-91 के अन्तर्गत क्वालिटी कंट्रोल आफ हेल्थ टेक्नोलोजीस प्रोजेक्ट आफ नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ बायोलोजिकल्स के क्रियान्वयन के लिए उपकरण और सेवाओं के आयात के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड 1 : सामान्य शर्तें

1(1) क्वालिटी कंट्रोल आफ हेल्थ टेक्नोलोजीस प्रोजेक्ट आफ नेशनल इन्स्टीट्यूट आफ बायोलोजिकल्स की आयात आवश्यकता तथा कार्यान्वयन के वित्तदान के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओईसीएफ) द्वारा प्रदान किये गये 7.964 बिलियन येन का ऋण जापान

और विकासशील देशों जिनमें भारत और (ओईसीएफ) के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए खूब है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्हीं मर्चों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूजीयता भाग भविष्य द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 8.450 बिलियन येन (लागत-बीमा-भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिसूचित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा 2 के अनुसार आयात लाइसेंस में सांकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा जिसमें यह उल्लेख होगा कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस(सों) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नाम से लेना। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण सं. आईटीपी-74" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एल/जे सी" होगा। यह कोड नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ बायो-लोजिकल्स को लाइसेंस भेजने समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी दूहराया जाएगा। जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ बायोलोजिकल्स के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर ही जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर विचार करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 8.450 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए, जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयातक द्वारा आवेदन करने पर आयात लाइसेंस की वैधता को 2 महीने की और अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। आयात लाइसेंस की अवधि को प्राप्ति और बढ़ाने/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात, आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत स्थापित संगत माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के मुद्दे नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता को कमीशन के रूप में कोई भी भुगतान भारत में भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रसारित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरक को जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत-बीमा-भाड़ा लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीने की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अधिकर्ताओं को दिए गए आदेश और/या भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं हैं।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस जर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(9) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए मामले प्रत्येक की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे जिसको वे लाइसेंसधारी को पेश करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों को पूर्ण करने के सम्बन्ध में सामग्री स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र और मुख्य रूप से जमा ~~पत्र~~ आदि की स्वीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में भुक्त आयात पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक में भारतीय आयातक को किसी भी किस्य की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए :—

“साखपत्र की प्राप्ति के बाद महीने परन्तु अधिक से अधिक के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।”

पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 30-6-95 के बाद की न हो।

खण्ड 2—संभरक ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिये और इसमें भारतीय रुपये में चुकाये जाने वाले भारतीय अधिकर्ता के कमीशन को यदि कोई हो, शामिल नहीं करना चाहिये।

संविदा का मूल्य किसी भी हालत में भारतीय रुपये या किसी अन्य करेंसी में अधिव्यक्त नहीं होना चाहिये। क्रय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिये।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किये जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति भागदरशी सिद्धांतों के अनुसार निम्नलिखित अनुपूरक शर्तों पर की जायेगी :—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्व अर्हता सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाते का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिये ओ.ई.सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उसमें पूर्ण अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के, अनुमोदन के लिये आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुत किया जायेगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिये उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ अर्हता-पूर्ण मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों के लिये सूचनाएं तथा अनुदेश, बोली प्रपत्र प्रस्तावित संविदा, विनिर्देश तथा आरेख और बोली में संबंधित अन्य दस्तावेज भी ओ.ई.सी.एफ. को पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत किये जायेंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में संविदा के निर्णय के लिये ओ.ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता इस शर्त पर नहीं है कि निविदा लाट तक पूर्ण ढंग से विभाजित है।

तथापि, यदि ओ.ई.सी.एफ. अनुरोध करें तो उसे निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि पुनरीक्षा के लिये प्रस्तुत की जायेगी।

(ग) अगर परामर्शदात्री फर्मों का नियोजन किया जाये तो ऐसी फर्मों को निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होंगी:—

(1) बिये गये अधिकांश शेयरों के धारक पात्र स्रोत देशों के नागरिक होने चाहियें।

(2) अधिकांश पूर्णकालिक निदेशक पात्र स्रोत देशों के नागरिक होने चाहिये।

(3) ऐसी फर्में पात्र स्रोत देशों में निगमित तथा पंजीकृत होनी चाहियें।

(घ) परामर्शदाताओं के नियोजन के लिये निम्नलिखित दस्तावेजों के संबंध में भी ओ.ई.सी.एफ. का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा—

- (1) शर्तें
- (2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची
- (3) निमंत्रण पत्र
- (4) संक्षिप्त मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट।

(ङ) प्रत्येक ठेके के साथ परामर्शदाता की पात्रता के संबंध में, परामर्शदाता के हस्ताक्षर तथा तारीख सहित निम्नलिखित घोषणा संलग्न होनी चाहिये :—

“मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वाक्य यह प्रमाणित करता हूँ कि—

—————(फर्म का नाम)—————
 ———(संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में निगमित और पंजीकृत हूँ, और एक पात्र परामर्शदात्री फर्म है जिसके—
 ———प्रतिशत (%) समर्थित शेयरों के धारक—
 ———(संबंधित पात्र स्रोत देशों का नाम) के राष्ट्रिक है और ———प्रतिशत (%) पूर्ण कालिक निदेशक—(संबंधित पात्र स्रोत देशों के नाम) के राष्ट्रिक है।”

(च) आयातक उपर्युक्त क(1), क(2), ख) और (घ) में उल्लिखित आवेदन पत्र/दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को दो प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ.ई.सी.एफ. को भेजे जायेंगे।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान उनके नाम में बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा 1990-91 के लिये ओ.ई.सी.एफ. येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-74 के अधीन खोले गये अपरिवर्तनीय साखपत्र

के माध्यम से किया जाना चाहिये। जिसका ब्यौरा नीचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिये। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिये आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिये।

2(5) संभरक की पात्रता

संभरक पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक या पात्र स्रोत देशों में शामिल किये गये तथा पंजीकृत किये गये वैध व्यक्ति होंगे जिनके पास पात्र स्रोत देशों में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपयुक्त सुविधा हो और जो वहां वास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाते हों।

2(6) अपात्र स्रोत देशों के अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उसका वित्तदान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मदवार आधार पर आयातित भाग के 50 प्रतिशत से कम हो :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$
संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरकों के संबंध में एक्स फैक्टरी मूल्य अपनाया जायेगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जायेगी :—

“मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल—(संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$
संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य
(जहां एक्स फैक्टरी मूल्य लागू हो)

मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) और (पात्र स्रोत देश का नाम) में समाविष्ट और पंजीकृत है और (संबंधित पात्र स्रोत देश का नाम) उसके पास पात्र स्रोत देशों में माल तथा सेवा

के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपयुक्त सुविधा है और वह वहां वास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाती है।

खण्ड-3:—संभरक ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरक ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप में समाविष्ट होने चाहिये :—

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच क्वालिटी कंट्रोल आफ हेल्थ टेक्नोलॉजीज प्रोजेक्ट आफ नेशनल इंस्टीट्यूट आफ बायोलोजिकल्स के लिये येन क्रेडिट सं. आई डी पी-74 (परियोजना सहायता) के अन्तर्गत 23 जनवरी, 1991 को हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत सरकार और सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी-74 से संबंधित 23-1-91 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा जारी किये जाने वाले अपरिवर्तनीय माखपत्र के माध्यम से किये जायेंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिये सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ ई सी एफ द्वारा येन ऋण के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा में एक धारा होनी चाहिये कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिये सहमत हैं और इस उद्देश्य के लिये यह भारतीय दूतावास टोकियो का, शामिल माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम में अवगत करायेगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक की प्रत्येक पोतलदान के बाद आवश्यक ब्यौरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिये सहमत होना चाहिये और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिये।

खण्ड-4—ओ ई सी एफ द्वारा संविदा की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को फर्म आदेश देने के लिये निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की 4 प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्व फोटो प्रतियां संगत और वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियां सहित आर.अनुबन्ध-2 के प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन" की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिये।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषय वस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हों जिनके कारण अनिवार्य रूप से आशोधन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एफ को समीक्षा के लिये भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कापी और "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिये आवेदन" की एक प्रति के साथ सी.ए.ए. एण्ड ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड-5 : विदेशी संभरकों को भुगतान माख पत्र क्रियाविधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस, और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक ऑफ इंडिया को टोकियो शाखा को सम्बोधित संलग्न अनुबन्ध-3 में दिये गये प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो शांख सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिये) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियां ओ ई सी एफ भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जायेगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 आयातों के लिये लागू होता है (या अनुबन्ध-5 सेवाओं के लिये लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साख पत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ ई सी एफ) भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखे एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साखपत्र खोलने के लिये उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिये आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/साखपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान कराने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साखपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिये बैंक आफ इंडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। दस्तावेज दुरुस्त होने पर बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से जारी करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

ओ ई सी एफ या सहायता लेखा नियंत्रक वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को वचनबद्धता पत्र के खर्चों के तुल्य धनराशि सरकारी लेखा में जमा करनी होगी। ओ ई सी एफ को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियां शामिल करके) का ब्याज भी आयातक को प्रचलित दर पर चुकाना होगा।

5(4) साखपत्र खोलने, उसके अधीन लेन-देन करने और विदेशी संभरक के बैंक के प्रभार, यदि कोई हो, के लिए बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को बैंकिंग प्रभार आयातक/विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। ओ ई सी एफ ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ ई सी एफ द्वारा स्वयं ऋण/निधियों में से चुकाई जाएगी।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के तहत भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाएगा। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से ओ ई सी एफ द्वारा विदेशी संभरक को अदायगी की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में सम्बद्ध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को धनपरेषण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की रकम की प्रतिपूर्ति के लिए क्रियाविधि ऋण समझौते की प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 : रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंक को पराक्राम्य पोत परिवहन दस्तावेज भेजेगा तथा बैंक या सुनिश्चित करेगा कि रुपया अनिवार्य रूप से पोत दस्तावेज रिलीज होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी दिल्ली में जमा कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये पर ब्याज प्रभार की दर प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक ऑफ इंडिया,

टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप से रुपया जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं. 31—आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ ब्याज प्रभार भी सरकारी लेखे में जमा कराना है। यह नोट किया जाए कि ब्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है, देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103—आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31—आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74—आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत-परिवहन आदि दस्तावेजों की देरी यह विलम्ब से प्राप्ति को, रुपया निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को लागू, विनिमय की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113—आई टी सी (पी एन)/88—91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस सम्बन्ध में और ब्याज की दर के सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकों में दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक का तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता। यदि माल की सुपुर्दगी लेने से पूर्व आयातक सरकार को देय धनराशि जमा कराने में असफल रहता है, तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निक्षेप किया जाएगा वह “के डिपॉजिट्स एण्ड ऐड-वान्सिज”—843—सिविल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार

परचेजिज एटमट्रा अब्राड परचेज अण्डर क्रेडिट्स/लोन एग्रीमेंट्स “लोन फोम वि गवर्नमेंट ऑफ जापान 7964 बिलियन येन क्रेडिट सं. आई डी पी—74 फार दि क्वालिटी कंट्रोल ऑफ हेल्थ टेकनालाजीस” प्रोजेक्ट होना चाहिए।

6(2) चालान के दाएं कोने में कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए उपर्युक्त धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तीस तृजारी, दिल्ली में सरकार के क्रेडिट में नकद जमा होनी चाहिए जैसाकि इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट है।

6(3) सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाव सात दिनों के अन्दर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी उपर्युक्त निर्धारित तरीके से वह प्रतिशित धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालमों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132—आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन परेषण और प्राधिकारी यदि कोई हो (केपूर्ण ब्योरे)” में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट की गई है। खजाना चालन में निम्नलिखित ब्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :—

(क) वित्त मंत्रालय की प्राधिकार पत्र (ए. पी.) की संख्या और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

तत्पश्चात् सी. ए. ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक नया पोत-परिवहन दस्तावेजों की प्रतियों को संलग्न करने हुए खजाना चालान रुपया जमा करने को साध्य देने हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी. ए. ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप बैंक ऑफ इंडिया टोकियो से आदायगी की सूचना और विनिमय पोत-परिवहन दस्तावेजों की प्राप्ति 10 दिनों के अन्दर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी. ए. ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का

पूष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, बम्बई को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड—7 : विविध प्रावधान

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग की रिपोर्ट

साखपत्र खोले जाने के बाद आयातक को पोतलदानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के सम्बन्ध में और जो पोतलदान होता बाकी है, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी. ए. ए. एण्ड ए. आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, जनपथ भवन, जनपथ, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) विशेष शर्त के बारे में संभरकों को अधिसूचित करना

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल से संबंधित किसी ऐसी विशेष शर्त से संभरक को अवगत कराए जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डालती हों।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच में यदि कोई विवाद होगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों में पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त साफ-साफ "भुगतानों के नियमों" अनुबन्ध—2 में आयातक द्वारा दर्शायी जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्त ठेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

7(4) भावी अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके सम्बन्ध में उठने वाले किसी या सभी मामलों में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों निदेशों या आदेशों का तथा जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ. ई. सी. एफ.) के साथ येन क्रेडिट समझौता परियोजना सहायता सं. आई डी पी—74 के अन्तर्गत सभी दायित्वों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण और उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध—1 पात्र स्रोत देशों की सूची
2. अनुबन्ध—2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबन्ध—3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबन्ध—4 साखपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)

5. अनुबन्ध—5 साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

पात्र स्रोत देशों की सूची

उपाबंध-1

क. विकसशील देश और क्षेत्र

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग में भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी महारा
मिश्र
मोरक्को
तुनीशिया
2. अफ्रीका, दक्षिणी महारा
अंगोला
बेनिन
बोतस्वाना
बुरुंडी
कैमरोन
कैप वर्डे द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
घाड
कोनारो आइलैण्ड
कांगो, बहामे का गणतंत्र
इक्वेटोरियल गिनी(1)
इथोपिया
जाम्बिया
घाना
गिनी
ग्राइवरी कोस्ट
कॅन्या
नेसोथो
लाइबीरिया
मालागासी गणतंत्र
मालावी
माली
मारिटनिया, मारिशस
मोजाम्बिक
सेंट हेलेना और डेप (2)
लाओ टोमो और प्रिंसिपल
सेनेगल
सेचिलीज
सीयरे लियोन
सोमालिया
सूडान
स्वाजीलैण्ड
टेरो, अफर्स और इसास
टाटोगो
युगान्डा
तंजानिया गणतंत्र संघ

अपर वॉन्टा	गुयाना
जाइरे गणतंत्र	पराग्वे
जांबिया	पीरू
3. अमेरिका उत्तरी और केन्द्रीय	सूरिनाम
वहामस	उरुग्वे
वरमुडा	5. मध्य पूर्वी एशिया
वारखडोस	वहरीन
वेली	इजराइल
कोस्टारिका	जोर्डन
क्यूबा	लेबनान
डामिन्किन गणतंत्र	ओमान
एल सल्वाडोर	सिरियाई अरब गणतंत्र
गुडालप	यूनाइटेड अरब एमिरात (3)
ग्वाटेमाला	यमन अरब गणतंत्र
हैटी	यमन जनवादी गणतंत्र (4)
होंडुरस	6. दक्षिण एशिया
जमैका	अफगानिस्तान
मारटनिको	बंगलादेश
नाइजर	भूटान
पुर्तगाली गिनी	बर्मा
रियुनियन	भारत
रोडेनिया	मालदीव
रवांडा	नेपाल
सैक्सको	पाकिस्तान
नीदरलैंड एंटीलीज	श्रीलंका
निकारागुआ	7. सुदूर पूर्वी एशिया
पनामा	वरुनी
सेंट पियरी और मिक्यूलोन	हांग-कांग
ट्रिनिडाड और टोबागो	खमेर गणतंत्र
	कोरिया गणतंत्र
	लाओस
	मकाओ
	मलेशिया
	फिलीपाइन
	सिंगापुर
	ताइवान
	थाइलैंड
	तिमोर
	वियतनाम गणतंत्र
	वियतनाम जनवादी गणतंत्र
	8. ओसिनिया
	कुक द्वीप समूह
	फिजी
	गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप
	फ्रांसिस पोलिनेशिया (5)
	नार

(1) फरनाडो पीवप्रो द्वीप सहित स्पेन गिनी का प्रवेश।

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित : एस्केनियन ट्रिस्टेन डा इन-एक्सेसिवल्स, नाइटिनेगेल, गफ।

(3) मुख्य द्वीप समूह, अरुवा, तोनाइरे क्यूराकाओ, साहा सेंट।

(3) अमेरिका उत्तरी और मध्य
वेस्टइंडीज (शाखा) और एन. अर्थात्

(क) सह-संबंध राज्य (1)

(ख) आश्रित (2)

(4) दक्षिणी अमेरिका

अर्जेन्टीना

बोलिविया

ब्राजील

चिली

कोलंबिया

फाल्क लैंड द्वीप समूह

फ्रांस गिनी

न्यू कैलेडोनिया	ड	कनाडा
न्यू हेब्रिडिस (ब्र. और प्र.)		डेनमार्क
नियु		फिनलैण्ड
पैसिफिक द्वीप समूह संयुक्त राज्य (6)		फ्रांस
पापुवा न्यू गिनी		जर्मनी संघीय गणराज्य
सोलोमन द्वीप समूह (ब्रा.)		ग्रीस
टोंगा		आइसलैण्ड
वालिस और फुतुना		आयरलैण्ड
पश्चिमी सामोआ		इटली
9. यूरोप		जापान
माइप्रस		लक्जेंबर्ग
जिब्राल्टर		नीदरलैण्ड्स
ग्रीस		न्यूजीलैण्ड
माल्टा		नार्वे
स्पेन		पुर्तगाल
तुर्की		स्पेन
यूगोस्लाविया		स्वीडन
		स्विट्जरलैण्ड
(1) मुख्य द्वीप एन्टिक, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेंट किट्स (सेंट क्रिस्टोफो), नोविस-अंगुला, सेंट लुसिया और सेंट व्हिसेंट		टर्की
(2) सैन आइलैण्ड, मोन्सेरत, सैंथान तुर्क और काइकोम और ब्रिटिश द्वीप समूह।		यू. के.
(3) अजमन, दुबई, फ़ीजाराह, रस अलखैमा, शरजाह और अगअल क्वाईवान।		यू. एम. ए.
(4) अदन और विभिन्न सल्तनत और अमीरात सहित।		
(5) सोसाइटी आइलैण्ड्स समूह (ताहित सहित) को शामिल करने हुए अस्ट्रेल द्वीप समूह, टुआमोटु-गम्बियर ग्रुप और मार्क्यूसो द्वीप समूह।		
6. पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश कागोलान द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मैरिन द्वीप समूह (गामा को छोड़कर)।		
(क-2) ओ.पी.ई.सी. के सहयोग देशों के सदस्य		
अल्जीरिया		
बोलिविया		
लीबियाई अरब गणतंत्र		
मोरोको		
नाइजीरिया		
इक्वेडोर		
वेनजुएला		
इरान		
ईराक		
कुवैत		
कतार		
माउदी अरब		
आबु-धाबी		
इन्डोनेशिया		
ख-च ओ.ई.सी.डी. के देश		
ऑस्ट्रेलिया		
बेल्जियम		

उपाबंध-II

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

आवेदन पत्र

संख्या

दिनांक

सेवा में,

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
 वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
 यू. को. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
 पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय :—येन क्रेडिट सं. या आई डी पी (198-8) के लिए
 (परियोजना सहायता) के अन्तर्गत

को _____ का

आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई डी पी _____
 (परियोजना सहायता) के अधीन _____
 से _____ आयात के संबंध में _____
 (बैंक का नाम) _____ कि वही होना
 चाहिए, जो नीचे (त) में सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम
 साखपत्र खोलने के लिए दिया गया है के पक्ष में प्राधिकार पत्र
 जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत
 करते हैं :—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस तक वैध है।

- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके — क्या वह सीधे क्रय पर आधारित है या औपचारिक खली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है या इस मामले में कारणों सहित यह निदिष्ट करना चाहिए कि क्या निविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रावधान के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) यदि कोई हो, तो पात्र से इतर स्रोत देशों में आयातित ठेकों का प्रतिफल।
- (छ) निविदा का कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन) में।
- (ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)।
- (झ) वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।
- (ञ) विदेशों के संभरकों के साथ की गई निविदा की संख्या एवं दिनांक।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता।
- (ठ) वे भुगतान गतें और संभावित तिथियाँ जिनको निविदा के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ड) सुपुर्दगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ढ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए)।
- (ण) पोतलवान अनुवेश, वाहनान्तरण/पार्ट-शिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए।
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत निविदा (निविदाएं) कर दी गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया गया है यदि हाँ तो ऐसी प्रत्येक निविदा की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संदर्भ जिसके अन्तर्गत ओ.ई.सी.एफ. को अधिसूचित किया गया है।
- (द) क्या साखपत्र के संचालन और रखरखाव के लिए बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को देय बैंक खर्चें आयातक द्वारा या संभरकों द्वारा वहन किए जाने हैं।
- (ध) आयातक द्वारा वचनबद्धता :—
“हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और वर से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा करने और सही जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निक्षेप माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्दगी लेने से पूर्व तत्काल ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनकी अदायगी करते ही विदेशी

राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निवेश कर दिए जाएंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा”।

उपाबन्ध-III

सं:

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक :

सेवा में

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)।

विषय :—येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) ऋण करार सं. आई डी पी—के अधीन आयात।

साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ विनांक को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न ब्यापारे के अनुसार सर्वश्री के नाम में येन धनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के बैंक, ओ ई सी एफ भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। आप ओ ई सी एफ को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपत्ति का दावा तत्काल करें।

4. विदेशी संभरक को अदायगी करते समय आपके द्वारा (आयात के बैंक के नाम व पता), मूल पोतलवान दस्तावेज (विनिमय), अतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक को की गई अदायगी के नाम डालने की सूचना, तत्काल अदायगी, यदि कोई की गई हो तो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ ई सी एफ द्वारा आपको उसकी प्रतिपत्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य ब्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभार डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यम से भारत में संबंधित आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्चें जिसमें साखपत्र खोलने, रखरखाव करने और साखपत्रों के संचालन और सौदा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंक के खर्चें भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इस लिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के

भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ ई सी एफ से नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए, तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साख्खपत्र खोलने के लिए है। साख्खपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र के मद्दे भविष्य में साख्खपत्र इस मंत्रालय में विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र -----तक वैध रहेगा।

9. कृपया हम करार में संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:--

1. आयातक -----को उनके पत्र सं. /----- दिनांक के ----- मन्दर्भ में।

उनमें अनुरोध है कि बैंकों से विनिमय दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण निक्षेप की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों में मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी ग्राहकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथाउल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंकर -----। यह आयात लाइसेंस सं. -----दिनांक -----के मन्दर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया जाता है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आदेशों को देखें और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्रवाई करें।

2. (2) उनमें निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच में दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपए जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-91 दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा-प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। संभरक को भुगतान की तिथि/बैंक आफ इंडिया की प्रतिपूर्ति की

तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपया सरकारी खाते में जमा किया जाना है, के बीच की अवधि का हिसाब लगाकर प्रथम तीस दिन के लिए ब्याज 12% प्रतिवर्ष है और इससे अधिक अवधि के लिए 18% प्रतिवर्ष है जिसे सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के खाते में जमा किया जाना भी आवश्यक है। ब्याज दोनों दिनों, अर्थात् विदेशी संभरक को जिस दिन भुगतान किया जाना है और जिस तारीख को भारतीय खाने में रुपया जमा किया जाता है, के लिए देय है (इस दर में जब भी कोई परिवर्तन हो इसकी सूचना दी जाएगी) यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

(3) ये धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में चालान के सहिनी ओर कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए, जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68 तथा 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 तथा सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। इस लेखा शीर्ष में रुपया जमा कराना है "के डिपॉजिट्स एण्ड एडवांसिज-8443-सिविल डिपॉजिट्स-— डिपॉजिट्स फार परचेजिज एटमेट्रा अबरोड अण्ड परचेजिज क्रेडिट/लोन्स एग्जिस्टेन्स" लोन फोम इ गवर्नमेंट आफ जापान 7.964 विनियम येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-74 फार 1990-91 है।

(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिलिपि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देने हुए एक अग्रपेण पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय,

(आर्थिक कार्य विभाग),

बी विंग, 5वां तल;

जनपथ भवन, जनपथ, नई दिल्ली।

(5) जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है। उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रुपए का पूरा भौग इंग विभाग को भेजना चाहिए।

(6) संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ ई सी एफ द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को उमर्का अदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभार बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ आपके द्वारा सीधे निर्णीत किए जाएंगे।

(7) सप्ताह्य को किए गए प्रत्येक भुगतान के लिए आयातक को मूल दस्तावेज (वाणिज्यिक बीजक, बैंक गारंटी, पोत-चदान दस्तावेजों का पराक्राम्य सैट आदि) तब तक जारी न किया जाए जब तक कि उपर्युक्त (2) और (3) के अनुसार कार्रवाई न कर ली जाए।

(8) विदेशी मुद्रा के रूप में प्राधिकृत डीलर के रूप में बैंक के कर्तव्य और उत्तरदायित्व भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए. डी. परिपत्रों में निहित है। इस संबंध में 18-6-77 के ए डी परिपत्र सं. 22 में विशेष संदर्भ उल्लिखित है।

(9) इस पत्राचार की पावती की सूचना दी जाण और भविष्य में पत्राचार करते समय संदर्भ आदि में उल्लेख किया जाए।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 विदेशी सहयोग निधि टाकेवासी गोडा विलिडिंग 4-1 ओहटेमासी-1 कोमे, चियाडा कू, टोकियो 100, जापान।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवसर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लिखा अधिकारी)

उपाबन्ध IV

प्रपत्र ओ ई सी एफ एन सी - 1

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(माल के लिए लागू)

दिनांक :

सेवा में

यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. _____ दिनांक _____ के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बीजक मूल्य के लिए आपके साइट डाफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ खोय दिया है जो _____ (अर्थात् घेन) की कुल धनराशि में अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पोत परिवहन निबन्ध लदान बिल जिसमें दिए गए आवेशों का पूरा सैट हो, बैंक पृष्ठांकित एवं चिह्नित "फ्रैंट एवं नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिनमें पोतलदान (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करने हुए संविदा सं. _____ (यदि कोई हो) के संदर्भ में _____ से _____ तक आंशिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनांतरण स्वीकृत है। लदान बिल _____ के बाद की तिथि का नहीं होना चाहिए। डाफ्ट _____ तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अन्तर्गत सभी डाफ्ट तथा दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय साखपत्र" सं. _____ दिनांक _____ के अंतर्गत आहरण किया गया और आयात संदर्भ सं. _____ संख्याएं, (यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एनद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी डाफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशितों को दस्तावेजों की मुपुर्वागी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "यनिकार्म कस्टम एंड प्रैक्टिस फार डाकुमेंटरी क्रेडिट्स (1974 ग्विबीजन) इण्टरनेशनल बैंकिंग आक कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश

1. उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए वचनबद्धता पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार डाफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताने हुए हमें डाफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा _____ को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्चे आयातक/संभरक के खाते से देय हैं।

भवदीय,

(_____)

वाणिज्य बैंक द्वारा

प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपाबन्ध V

प्रपत्र ओ ई सी एफ एन सी - 2

अपरिवर्तनीय साखपत्र

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

यह साखपत्र (ऋण और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं. _____ दिनांक _____ के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए हिताधिकारी के ड्राफ्ट एंड साइट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कुल धनराशि _____ येन में अधिक नहीं है, के लिए आवेदक के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. _____ खोल दिया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (परियोजना के संबंध में ठेका सं. _____) में संबंधित दस्तावेज होने चाहिए। लेन-देन के लिए ड्राफ्ट _____ में पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. _____ के अन्तर्गत "ज्ञान" लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेदितों का दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिपूर्वक स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रैक्टिस फार डाक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इंटरनेशनल चैंसलर आफ कॉमर्स ब्रोशर नं. 290" के अधीन है।

लेन-देन करने वाले बैंक को विधेय अनुदेशन।

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनामीन अधिकारी) द्वारा जारी किये गये निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् हम क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए हिताधिकारी का विवरण अपेक्षित है।

2. ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परंपित करने का वचन देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।

4. इस साखपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खच आयातकों/संभरकों के खाने में वेय है।

भवदीय,

(बाणिज्यिक बैंक द्वारा)

(आधिकारिक प्रत्याक्षर)

भुगतान अनुसूची

यह भुगतान अनुसूची हमारे साखपत्र का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन जो कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

हिताधिकारी का विवरण

अपेक्षित दस्तावेज :

प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख :

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग : धनराशि येन । जो कुल संविदा का मूल्य प्रतिशत है जिसका भुगतान निम्न प्रकार से किया जाना है :—

देय धनराशि	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
.....
पहली किस्त
दूसरी किस्त

अपेक्षित दस्तावेज : (ऋणी अथवा उसके मनामीन प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है : निष्पादन का विवरण

दिनांक

सन्दर्भ

सेवा में

(संभरक का नाम और पता)

सन्दर्भ :

ऋण करार सं. के अन्तर्गत परियोजना से संबंधित के नाम के येन के लिए द्वारा जारी किए गए साखपत्र की सं. दिनांक (ऋणी) का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं अधोहस्ताक्षरी, और के बीच संविदा सं. दिनांक में निहित शर्तों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहायता निधि द्वारा देन की गतियाँ (..... येन मात्र)

प्राप्त करने के लिए को प्राधिकृत करने के लिए निम्नानुसार विवरण जारी करना है।

(ऋणी)
द्वारा
(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।

भुगतान शर्तें :

यह भुगतान शर्तें हमारे साख्यपत्र का एक अभिन्न अंग हैं।

1. प्रारम्भिक भुगतान :

धनराशि
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज :

2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)

धनराशि
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज :
प्रस्तुत करने की अनिवार्य तिथि :

3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान
धनराशि
कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी :—यह संलग्न शीट पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 223 ITC(PN)/90-93

New Delhi, the 26th September, 1991

Subject :—Licensing Conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P. 74 dated 23-1-91 for Yen 7.964 Billion for the Quality Control of Health Technologies Project of National Institute of Biologicals extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan—regarding.

File No. IPC/23(83)/90193.—The terms and conditions governing import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P. 74 dated 23-1-91 for Yen 7.964 Billion for the Quality Control of Health Technologies Project of National Institute of Biologicals extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in Appendix to this Public Notice and are notified information.

D. F. MEHTA, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 223 ITC(PN)/90-93,

DATED : 26-9-91

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P 74 DATED 23-1-91 FOR YEN 7.964 BILLION FOR THE QUALITY CONTROL OF HEALTH TECHNOLOGIES PROJECT OF NATIONAL INSTITUTE OF BIOLOGICALS EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN.

SECTION I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of Yen 7.964 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Quality Control of Health Technologies Project of National Institute of Biologicals untied in favour of Japan, developing countries (including India) and all member countries of OECD. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

(ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTDC/Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 8.450 Billion (CIF).

The rupee value of the Import Licence shall be determined with reference to the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/71 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P 74". The first and second suffix to the licence code will be "SIJC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to National Institute of Biologicals a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

(iii) Import licence(s) can be issued only in favour of National Institute of Biologicals.

(iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 8.450 billion (CIF) as specified at (ii) above.

(v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension of issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

(vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence duly attested by the licensing authorities.

(vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

(viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. 'Firm orders' means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision of the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

(x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas

supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-95.

SECTION II—Special point to be kept in view while negotiating a supply contract.

(i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

(ii) Procurement of all goods and services to be finance out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the underlines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Procurement of all goods and services to be successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the documents, etc. will also be submitted to OECF for its reference, to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract.

However if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all the following conditions.

(i) A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible Source Countries;

(ii) A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible Source Countries;

- (iii) Such firms shall be incorporated and registered in the Eligible Source Countries.
 (d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :—

(i) Terms of Reference;

Short List of Consultants;

(iii) Letter of Invitation;

(iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet;

- (e) The following declaration as to the eligibility of the Consultant, signed and dated by the Consultant, shall be attached to each contract :—

"I, the undersigned, hereby certify that,———
 (name of firm) has been incorporated and registered in————(name of the Eligible Source Country concerned), and is an eligible consulting firm,————
 per cent (%) of the subscribed shares being held by nationals of————
 (name of the Eligible Source Countries concerned) and———— per cent (%) of the fulltime directors being nationals of———— (name of the Eligible Source Countries concerned)".

- (f) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P 74 or 1990-91 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries and actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50%) of the price per unit of

such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

Supplier's FOB Price

(In case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in———— (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

Supplier's FOB Price

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that————
 (Name of company) has been incorporated and registered in———— (name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services in (name of Eligible Source Country) and actually conducts its business there.

SECTION III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 23rd Jan. '91 concerning the Yen Credit No. ID-P 74 (project Aid) for the Quality Control of Health Technologies Project of National Institute of Biologicals.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo under the Loan Agreement No. ID-P 74 dated 23-1-91 between the Government of India and the overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.

- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of the Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

SECTION IV : Review of Contract by OECF IV (i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two-copies of the "Request for issue of L.A" in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also supply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of EA) will send Notice of Conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of E.A." and photocopy of import licence.

SECTION V—Payment to the Overseas suppliers—

Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of Contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there under the charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth per cent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of the letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.—Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

SECTION VI—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee—equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier

to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 113-ITC(PN)/88—91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances—8443—Civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 7,964 billion Yen credit No. ID-P 74 for the Quality Control of Health Technologies Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers[their bankers] that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN) 71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

SECTION VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B-Wing, 5th Floor Janpath Bhavan, New Delhi

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by

the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. 1D-P 74 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

- Annexure I List of eligible source countries.
- Annexure II Request for issue of Letter of Authority.
- Annexure III Form of Letter of Authority.
- Annexure IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).
- Annexure V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE--I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a1) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique

2511GI/91—4

Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terro. Afars and
Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North end

Cont.
Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
EL Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

- (1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.
- (2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles Nightingals, Gough.
- (3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

III. AMERICA, North & Central

West Indies (Br.) n.i.e.
(a) Associated States (1)
(b) Dependencies (2)

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands

French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

V. ASIA, Middle East

Baharain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldivis
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East

Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malayasia
Phillippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANTIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Calendonias
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.

3. Ajman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

4. Including Aden and various sultanates and emirates.

5. Comprising the Society Islands (including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of
Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
the Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
U.K.
U.S.A.

ANNEXURE--II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF

AUTHORITY

No. Date

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Subject : Import of from Japan under the
Yen Credit No. ID-P (Project Aid for
19 - 8).

Sir,

In connection with the import of from
under the above mentioned Yen Credit No. ID-P
(Project Aid) we furnish the following parti-
culars to enable you to issue the Letter of Authority
to the (name of the Bank) which
should be the same as given in (b) below for opening
a letter of credit in favour of the overseas supplier
concerned.

- (a) Name and Address of the Indian Importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement--Whether it is based on direct purchase of formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) (Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.

(n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).

(o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).

(p) Name and address of the importer's bank in India.

(q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.

(r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importers or Supplier.

(c) Undertaking by the importer :--

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers."

ANNEXURE--III

(Letter of Authority Form)

NO. F.

GOVERNMENT OF INDIA

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch.

Tokyo (Japan).

Subject :--Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P. Issue of Letter
of Authority for opening Letter of Credit

Dear Sirs.

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen

favouring M/S as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importer's bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the

relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker (i) This has reference to import licence.

No. dt.

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 112-ITC (PN) 98-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from to time. Interest @12 per cent per annum for the first 30 days and at the rate of 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursement to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Govt. account is also required to be deposited into Govt. of India account in terms of Public Notice No. 31-ITC (PN) 83 dated 10-8-83. The interest is payable for both days i.e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Govt. account (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC (PN) 68 dated 30-8-68, 233-ITC (PN) 68 dated 24-10-1968, 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-71, No. 74-ITC (PN) 74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN) 76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advance—8443—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 7,964 billion Yen Credit (Project aid) No. ID-P. 74 for 1990-91.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC (PN) 71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing 5th Floor, Janpath Bhavan, Janpath, New Delhi.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as it (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. Circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Direct Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(ACCOUNT OFFICER)

ANNEXURE—IV

FORM OECF—LC 1

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date :

To

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No.

Dated

between (Borrower) and THE
OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION
FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say Yen) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on Board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked 'Freight and Notify' Other documents.

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. (if any) from To Partial shipments are permitted. Transshipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable

credit No. dated

and Import Reference No. (c) (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airtailed direct to _____
3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : Authorized Signature

ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date :

To

(Name and address of
the supplier)

This letter of Credit has been
issued pursuant to Loan
Agreement No.

Dated

between (Borrower) and THE

OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION

FUND

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y _____ (Say yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ With regard

to _____ Project) Drafts must be presented for negotiation not later than

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____"

This credit is not transferable

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank."

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : Authorized Signature

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payments

Amount : Y- _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents: beneficiary's Statement

Latest presentation date:

II. Progress Payment

Aggregating amount: Y- _____

being _____ % of the total contract price to be paid as follows:

Amount due	Latest presentation
_____	_____

1st Instalment: y- _____

2nd Instalment: y- _____

Required documents: A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

Statement of Performance

Date: _____

Ref. No. _____

To

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. _____ dated _____ issued by _____ for Y- _____ in favour of _____ concerning _____ Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of Y_____ (Yen_____ only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. _____ dated _____ between _____ and _____

(Borrower)

By _____

(Authorised Signature)

Special Instructions:

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : Y_____ being _____ % of the total contract price.
Required documents;
Latest presentation date:

II. Intermediate payment (if any)

Amount : Y_____ being _____ % of the total contract price.
Required documents;
Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount: Y_____ being _____ % of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

